14 मार्च 2025 | संचिका:1

सर्वधर्म निलयम आश्रम प्रस्तुत करता है

श्री श्री श्री सद्गुरु बाबा अन्वरानंद जी

के वेदांत उपन्यास से संग्रहित

भं गुरूवाणी

मासिक पत्रिका

भगवान कहाँ हैं ?

भगवान का स्थान कहाँ हैं ?

यह एक सवाल है। क्या भगवान मंदिर में हैं ?

क्या वे मसजिद में है ?

क्या वे चर्च में है ? क्या वे और किसी जगह में हैं ?

जलालुद्दीन रूमी जैसी सूफी महात्मा का कहना है

हम चर्च (गिरिजा घर), मंदिर और मस्जिद को भगवान का वास या स्थान मानते हैं। लेकिन संत लोग यह बात नहीं मानते। महात्माओं और सद्गुरुओं का पवित्र हृदय ही असली मस्जिद और असली मंदिर है।

ऐसा कहा जाता है कि यदि महात्मा के पवित्र मन को प्रताड़ित किया गया परमेश्वर उस देश को नाश करदेगा। ऐसे पवित्र हृदय वाले सभी लोगों में परमात्मा का वास होता है।

अहंकार और मोह का नाश होना चाहिए। तभी हृदय पवित्र हो जाता है और भगवाान का वास पवित्र हृदय में ही रहता है। यह चेतना और वैराग्य के द्वारा संभव हो जाता है। सद्गुरु के अनुग्रह और उनके मार्गदर्शन से ही उस पवित्र लक्ष्य को प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए।